

This question paper contains 2 printed pages.

Your Roll No.

Sl. No. of Q.P. : 6258

आपका अनुक्रमांक

UNIQUE PAPER CODE : 210401
NAME OF PAPER : 4.1 HISTORY OF WESTERN PHILOSOPHY-II
NAME OF THE COURSE : B.A. HONS. (PHILOSOPHY)
SEMESTER : IV
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

E

Instruction for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Answer may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions. One question each from Berkeley, Hume and Kant. All question carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। बर्कले, ह्यूम और कान्ट प्रत्येक से एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain the arguments given by Philonous to prove that material objects are mind dependent.
फिलोनस द्वारा दिए गए उन तर्कों की व्याख्या कीजिए जो भौतिक द्रव्य को मनस्-आश्रित सिद्ध करते हैं।
2. Discuss Berkeley's criticism of the distinction between primary and secondary qualities. How is it related to his subjective idealism?
बर्कले द्वारा प्राथमिक तथा गौण गुणों के विभेद की आलोचना का संक्षिप्त विवेचन कीजिए। यह उनके आत्मगत प्रत्ययवाद से कैसे संबंधित है?
3. Explain Hume's distinction between impressions and ideas and clarify its sceptical implication.
ह्यूम द्वारा किए गए अंकन एवं प्रत्ययों के मध्य विभेद की व्याख्या कीजिए तथा इसके संशयवादी निष्कर्षों को स्पष्ट कीजिए।

4. What are the arguments given by Hume to deny the necessary connection between cause and effect? Discuss.
ह्यूम कार्य-कारण के मध्य अनिवार्य संबंध के विरुद्ध क्या युक्तियां देते हैं? विवेचन कीजिए।
5. "... after the discovery of the constant conjunction of any objects, we always draw an inference from one object to another . . . ," Explain with reference to Hume's theory of causation.
" . . . किन्हीं दो वस्तुओं के बीच नियत समायोजन की खोज लेने की पश्चात् हम सदा एक वस्तु से दूसरी का अनुमान लगा लेते हैं . . . " ह्यूम के कारणता-विषयक सिद्धान्त के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।
6. Explain how synthetic a-priori judgements are possible according to Kant.
कान्ट के अनुसार प्रागनुभविक संश्लेषक निर्णय किस प्रकार संभव है? व्याख्या कीजिए।
7. Explain Kant's concept of space and time as discussed in Prolegomena.
प्रोलिगोमिना में विवेचित कान्ट की देश तथा काल विषयक अवधारणा की व्याख्या कीजिए।
8. "Whereas Science is possible, Metaphysics is impossible." (Kant) Discuss.
"जबकि विज्ञान संभव है, (वही) तत्त्वमीमांसा असंभव है।" विवेचना कीजिए।